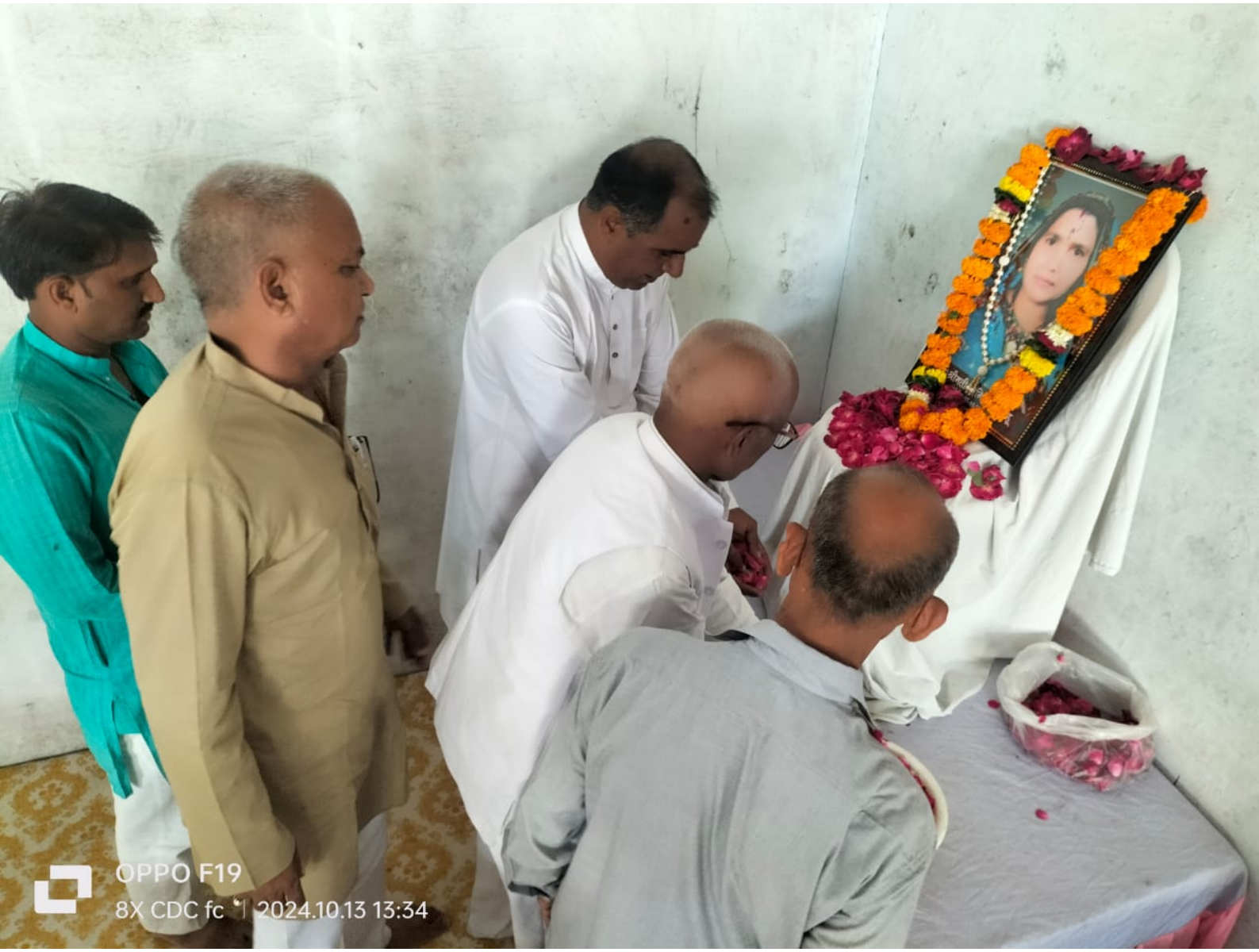
OPPO F19
8X CDC fc | 2024.10.13 13:34

श्रद्धांजलि सभा
श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

ललितपुर की प्रथम महिला बनीं शान्ति देवी साहू अंगदानी एवं देहदानी

ललितपुर। देहदानात् परं दानं न भूतं न भविष्यति। देहदानेन यजते यस्तु स यज्ञै- समभिजायते। महाभारत, शांति पर्व अध्याय 169, श्लोक 66 में यह है, जिसका अर्थ देह दान से बढ़कर कोई दान नहीं है, न होगा। जो देह दान करता है, वह यज्ञों से भी अधिक पुण्य प्राप्त करता है। बताया गया है कि खुशाल चन्द्र साहू की धर्मपत्नी एवं मनीष साहू, श्रीमति अनामिका साहू एवं आशीष साहू की माताश्री श्रीमति शान्ति साहू का महापरिनिर्वाण 07 अक्टूबर 2024 सोमवार को हो गया है। उनका पार्थिव शरीर भावी चिकित्सकों के अध्ययन एवं अनुसंधानार्थ, एस.एन.मेडिकल कॉलेज आगरा एवं मानव कल्याणार्थ अंग दान, नेत्र दान जी.एस.वी.एम.मेडिकल कॉलेज कानपुर को किया गया है। इस संकट की दारूण वेला में मृत्यु भोज जैसी अन्धविश्वासी कुप्रथा को समाप्त करने का साहसिक निर्णय लिया जाता है।

इसके विपरीत समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीति तेरहवीं मृत्यु भोज के उन्मूलन करने हेतु एक श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन 13 अक्टूबर 2024 रविवार को किया जाना है। इस संगोष्ठी में सजातीय व सामाजिक लोगों को आमंत्रित किया गया है, ताकि आने वाली पीढयिां समाज में व्याप्त कुप्रथाओं को त्यागने का साहस कर सकें। यह शोक श्रद्धांजलि सभा श्रीरामराजा मंदिर ट्रस्ट साहू समाज धर्मशाला लक्ष्मीपुरा (ललितपुर) में अपराह्न 1 से 3 बजे तक आयोजित की जायेगी।

ललितपुर की प्रथम महिला बनीं शान्ति देवी साहू अंगदानी एवं देहदानी

ललितपुर। देहदानात् परं दानं न भूतं न भविष्यति। देहदानेन यजते यस्तु स यज्ञैरू समभिजायते। महाभारत, शांति पर्व अध्याय 169, श्लोक 66 में यह है, जिसका अर्थ देह दान से बढ़कर कोई दान नहीं है, न होगा।

जो देह दान करता है, वह यज्ञों से भी अधिक पुण्य प्राप्त करता है। बताया गया है कि खुशाल चन्द्र साहू की धर्मपत्नी एवं मनीष साहू, श्रीमति अनामिका साहू एवं आशीष साहू की माताश्री श्रीमति शान्ति साहू का महापरिनिर्वाण 07 अक्टूबर 2024 सोमवार को हो गया है। उनका पार्थिव शरीर भावी चिकित्सकों के अध्ययन एवं अनुसंधानार्थ, एस.एन.मेडिकल कॉलेज आगरा एवं मानव कल्याणार्थ अंग दान, नेत्र दान जी.एस.वी.एम. मेडिकल कॉलेज

कानपुर को किया गया है। इस संकट की दारूण वेला में मृत्यु भोज जैसी अन्धविश्वासी कुप्रथा को समाप्त करने का साहसिक निर्णय लेते हुए इसके विपरीत समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीति तेरहवीं मृत्यु भोज के उन्मूलन करने हेतु एक श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन 13 अक्टूबर 2024 रविवार को किया जाना है। इस संगोष्ठी में सजातीय व सामाजिक लोगों को आमंत्रित किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियां समाज में व्याप्त कुप्रथाओं को त्यागने का साहस कर सकें। यह शोक श्रद्धांजलि सभा श्रीरामराजा मंदिर ट्रस्ट साहू समाज धर्मशाला लक्ष्मीपुरा (ललितपुर) में अपराह्न 1 से 3 बजे तक आयोजित की जायेगी

ललितपुर की प्रथम महिला बनीं शान्ति देवी साहू अंगदानी एवं देहदानी

महापरिनिर्वाण पर शोक श्रृद्धांजलि सभा कल साहू समाज धर्मशाला में

जनहित दर्शन | ललितपुर

देहदानात् परं दानं न भूतं न भविष्यति। देहदानेन यजते यस्तु स यज्ञैः समभिजायते। महाभारत, शांति पर्व अध्याय 169, श्लोक 66 में यह है, जिसका अर्थ देह दान से बढ़कर कोई दान नहीं है, न होगा। जो देह दान करता है, वह यज्ञों से भी अधिक पुण्य प्राप्त करता है। बताया गया है कि खुशाल चन्द्र साहू की धर्मपत्नी एवं मनीष साहू, श्रीमति अनामिका साहू एवं आशीष साहू की माताश्री श्रीमति शान्ति साहू का महापरिनिर्वाण 07 अक्टूबर 2024 सोमवार को हो गया है। उनका पार्थिव शरीर भावी चिकित्सकों के अध्ययन एवं अनुसंधानार्थ, एस.एन.मेडिकल कॉलेज आगरा एवं मानव कल्याणार्थ अंग दान, नेत्र दान जी.एस.वी.एम. मेडिकल कॉलेज कानपुर को किया गया है। इस संकट की दारूण वेला में मृत्यु भोज जैसी अन्धविश्वासी कुप्रथा को समाप्त करने का साहसिक निर्णय लिया जाता है। इसके विपरीत समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीति तेरहवीं मृत्यु भोज के उन्मूलन करने हेतु एक श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन 13 अक्टूबर 2024 रविवार को किया जाना है। इस संगोष्ठी में सजातीय व सामाजिक लोगों को आमंत्रित किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियां समाज में व्याप्त कुप्रथाओं को त्यागने का साहस कर सकें। यह शोक श्रद्धांजलि सभा श्रीरामराजा मंदिर ट्रस्ट साहू समाज धर्मशाला लक्ष्मीपुरा (ललितपुर) में अपराह्न 1 से 3 बजे तक आयोजित की जायेगी।

ललितपुर की प्रथम महिला बनीं शान्ति देवी साहू अंगदानी एवं देहदानी

महापरिनिर्वाण पर शोक श्रृद्धांजलि सभा कल साहू समाज धर्मशाला में

उद्योग जनवार्ता ● ललितपुर।

देहदानात परं दानं न भूतं न भविष्यति। देहदानेन यजते यस्तु स यज्ञै- समभिजायते। महाभारत, शांति पर्व अध्याय 169, श्लोक 66 में यह है, जिसका अर्थ देह दान से बढ़कर कोई दान नहीं है, न होगा। जो देह दान करता है, वह यज्ञों से भी अधिक पुण्य प्राप्त करता है। बताया गया है कि खुशाल चन्द्र साहू की धर्मपत्नी एवं मनीष साहू, श्रीमति अनामिका साहू एवं आशीष साहू की माताश्री श्रीमति शान्ति साहू का महापरिनिर्वाण 07 अक्टूबर 2024 सोमवार को हो गया है। उनका पार्थिव शरीर भावी

चिकित्सकों के अध्ययन एवं अनुसंधानार्थ, एस.एन.मेडिकल कॉलेज आगरा एवं मानव कल्याणार्थ अंग दान, नेत्र दान जी.एस.वी.एम.मेडिकल कॉलेज कानपुर को किया गया है। इस संकट की दारूण वेला में मृत्यु भोज जैसी अन्धविश्वासी कुप्रथा को समाप्त करने का साहसिक निर्णय लेते हुए इसके विपरीत समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीति तेरहवीं मृत्यु भोज के उन्मूलन करने हेतु एक श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन 13 अक्टूबर 2024 रविवार को किया जाना है। इस संगोष्ठी में सजातीय व सामाजिक लोगों को आमंत्रित किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियां समाज में व्याप्त कुप्रथाओं को त्यागने का साहस कर सकें। यह शोक श्रद्धांजलि सभा श्रीरामराजा मंदिर ट्रस्ट साहू समाज धर्मशाला लक्ष्मीपुरा (ललितपुर) में अपराह्न 1 से 3 बजे तक आयोजित की जायेगी